Answer - No - 2

ट्रायक की संरचना :-

ट्रायक एक पाँच पर्त P-N संधि संरचना है जो ऐसी दो चार पर्त युक्ति के समतुल्य होती है जिसमें उक्त दोनों परस्पर विपरीत P-N क्रम के तथा परस्पर समान्तर संयोजित को प्रदर्शित है। इस प्रकार यह एक ऐसी युक्ति निर्मित की जाती है। जो दो परस्पर विपरीत दिशा में जुड़े सिलिकान नियंत्रित दिष्टकारी (SCR) के समतुल्य होती है। इस प्रकार एक द्वि-दिशा युक्त (bidirectional device) का निर्माण होता है। जिसमें तीन टर्मिनलों, दो मुख्य टर्मिनल T_1 व T_2 तथा एक गेट टर्मिनल G की व्यवस्था होती है। इस प्रकार पाँच सिलिकान अर्द्धचालक पर्तों से निर्मित तीन टर्मिनलों वाली द्वि-दिशक युक्ति ट्रायक कहलाती है। यह भी गेट (G) से SCR की भाँति ट्रायक की भंजक वोल्टता को नियंत्रित किया जाता है।

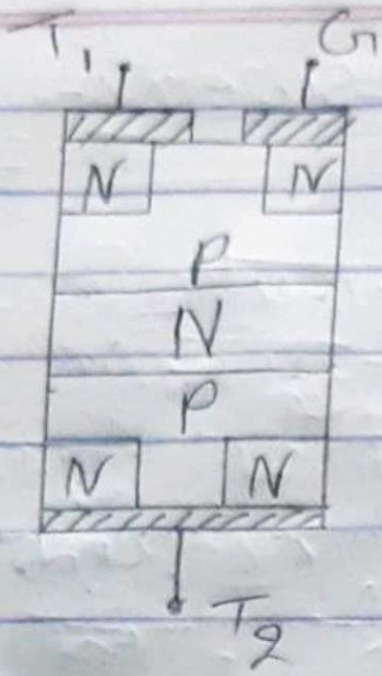

ट्रायक संरचना

ट्रायक के VI अभिलक्षण :

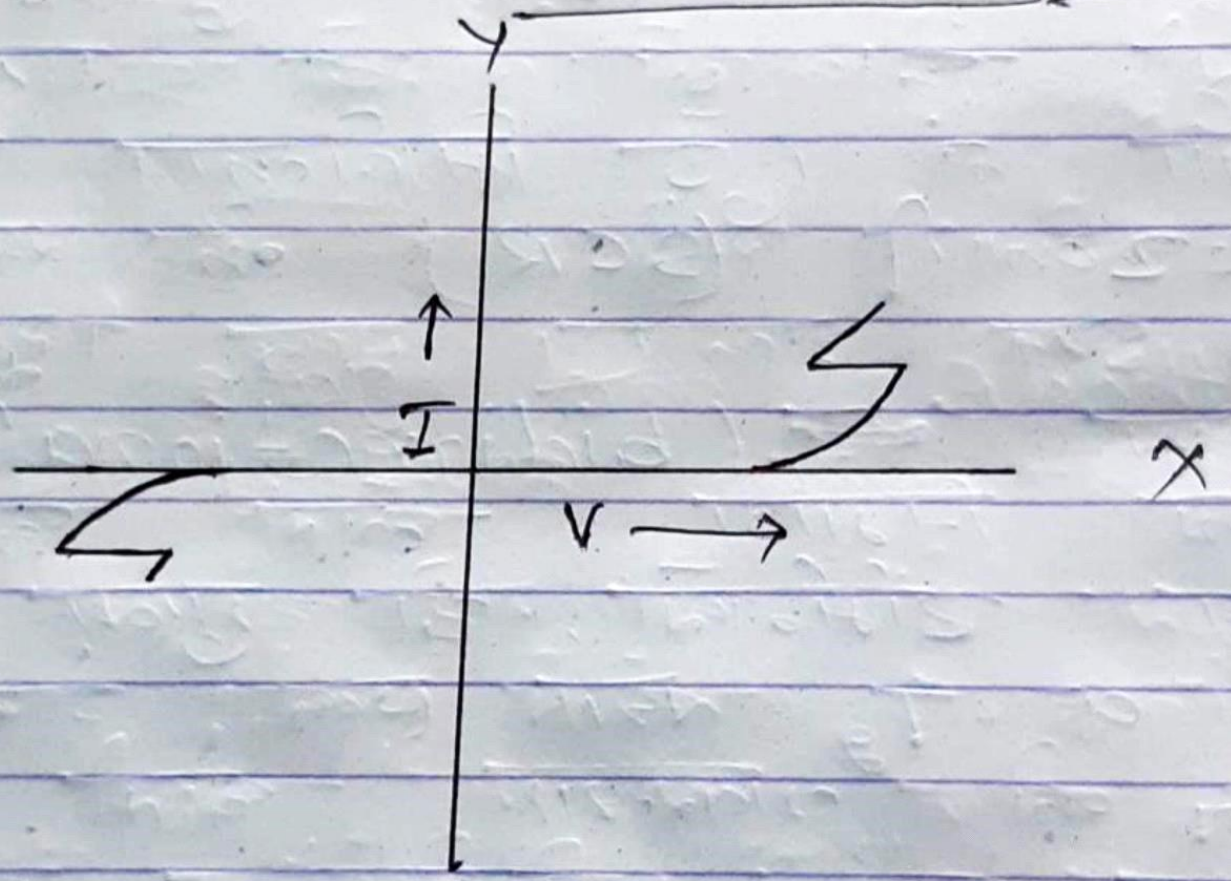

VI अभिलक्षण